केंद्रीय बजट 2024-25 विश्लेषण

वित्त मंत्री सुश्री निर्मला सीतारमण ने 23 जुलाई, 2024 को 2024-25 का बजट पेश किया। इस नोट में 2023-24 के वास्तविक (एक्चुअल्स), अलेखापरीक्षित (अनऑडिटेड) अनंतिम वास्तविक हैं।

बजट की मुख्य झलकियां

- **व्यय**: 2024-25 में सरकार द्वारा 48,20,512 करोड़ रुपए खर्च करने का अनुमान है जो 2023-24 में वास्तविक व्यय से 8.5% अधिक है। ब्याज भुगतान कुल व्यय का 24% और राजस्व प्राप्तियों का 37% है।
- **प्राप्तियां**: 2024-25 में प्राप्तियां (उधारियों के अलावा) 32,07,200 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो 2023-24 में वास्तविक व्यय से 15% अधिक है। कर राजस्व, जो प्राप्तियों का प्रमुख हिस्सा है, 2023-24 में वास्तविक व्यय की तुलना में 11% बढ़ने की उम्मीद है।
- **जीडीपी**: सरकार ने 2024-25 में 10.5% की नॉमिनल जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान लगाया है (यानी, वास्तविक विकास जमा मुद्रास्फीति)।
- **घाटा**: 2024-25 में राजस्व घाटा जीडीपी के 1.8% पर लक्षित है। यह 2023-24 में जीडीपी के 2.6% के वास्तविक राजस्व घाटे से कम है। 2024-25 में राजकोषीय घाटा जीडीपी के 4.9% पर लक्षित है, जो 2023-24 में जीडीपी के 5.6% के वास्तविक राजकोषीय घाटे से कम है।
- **नई योजनाएं**: नई योजनाओं के लिए आर्थिक मामलों के विभाग को 62,593 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं (विवरण उपलब्ध नहीं है)। आवंटन पूंजीगत व्यय के लिए है, और कुल पूंजीगत परिव्यय का 6.8% है।

फाइनांस बिल में मुख्य कर प्रस्ताव

- **नई आयकर व्यवस्था में बदलाव**: नई कर व्यवस्था के तहत टैक्स स्लैब में बदलाव किया गया है। प्रस्तावित कर संरचना तालिका 1 में दिखाई गई है। नई कर व्यवस्था के तहत वेतनभोगियों और पेंशनभोगियों के लिए मानक कटौती को 50,000 रुपए से बढ़ाकर 75,000 रुपए करने का प्रस्ताव है। पारिवारिक पेंशन से कटौती भी 15,000 रुपए से बढ़ाकर 25,000 रुपए करने का प्रस्ताव है। नियोक्ता और कर्मचारी के लिए पेंशन अंशदान पर वेतन के 14% तक (पहले 10% से) कर कटौती होगी।

तालिका 1: मौजूदा और प्रस्तावित टैक्स स्लैब

टैक्स रेट	मौजूदा इनकम स्लैब	प्रस्तावित इनकम स्लैब
कुछ नहीं	3 लाख रुपए तक	3 लाख रुपए तक
5%	3 लाख से 6 लाख रुपए	3 लाख से 7 लाख रुपए
10%	6 लाख से 9 लाख रुपए	7 लाख से 10 लाख रुपए
15%	9 लाख से 12 लाख रुपए	10 लाख से 12 लाख रुपए
20%	12 लाख से 15 लाख रुपए	12 लाख से 15 लाख रुपए
30%	15 लाख रुपए से अधिक	15 ाख रुपए से अधिक

- **पूंजीगत लाभ कर (कैपिटल गेन्स टैक्स)**: सूचीबद्ध इक्विटी शेयरों, इक्विटी म्यूचुअल फंड के यूनिट्स और आरईआईटीएस/इनविट्स (REITs/INVITs) पर अल्पकालिक पूंजीगत लाभ कर को 15% से बढ़ाकर 20% करने का प्रस्ताव है। सभी परिसंपत्ति श्रेणियों पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर 12.5% लगाया जाएगा। यह पहले सूचीबद्ध इक्विटी शेयरों, इक्विटी म्यूचुअल फंड यूनिट्स और आरईआईटी/आईएनवीआईटी पर 10% और अन्य परिसंपत्तियों के लिए इंडेक्सेशन के साथ 20% लगाया जाता था। संपत्ति, सोना और अन्य गैर सूचीबद्ध परिसंपत्तियों के लिए दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ की गणना के लिए इंडेक्सेशन हटा दिया जाएगा। एक वर्ष से अधिक समय तक रखी गई सूचीबद्ध वित्तीय परिसंपत्तियों को दीर्घकालिक के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा, जबकि गैर सूचीबद्ध वित्तीय परिसंपत्तियों और सभी गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों को दीर्घकालिक के रूप में वर्गीकृत करने के लिए कम से कम दो वर्षों तक रखा जाना चाहिए। सूचीबद्ध इक्विटी शेयरों, इक्विटी म्यूचुअल फंड और व्यावसायिक ट्रस्टों से दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ के लिए छूट सीमा

PRS Legislative Research ▪ Institute for Policy Research Studies
3rd Floor, Gandharva Mahavidyalaya ▪ 212, Deen Dayal Upadhyaya Marg ▪ New Delhi – 110002
Tel: (011) 43434035, 23234801 ▪ www.prsindia.org

एक लाख रुपए से बढ़ाकर 1.25 लाख रुपए की जाएगी। शेयरों की पुनर्खरीद (बायबैक) को लाभांश के बराबर माना जाएगा।

- **प्रतिभूति लेनदेन कर (सिक्योरिटीज़ ट्रांजैक्शन टैक्स)**: प्रतिभूति बाजार में विकल्पों की बिक्री पर लगने वाले प्रतिभूति लेनदेन कर को विकल्प प्रीमियम (ऑप्शन प्रीमियम) के 0.0625% से बढ़ाकर 0.1% कर दिया जाएगा और वायदा (फ्यूचर्स) की बिक्री पर ट्रेडिंग मूल्य के 0.0125% से बढ़ाकर 0.02% कर दिया जाएगा।
- **स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस)**: बीमा कमीशन का भुगतान, जीवन बीमा पॉलिसी का भुगतान, किराया भुगतान और कमीशन या ब्रोकरेज के भुगतान जैसी कई मदों के लिए स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) की दर को 5% से घटाकर 2% करने का प्रस्ताव है। किसी ई-कॉमर्स ऑपरेटर द्वारा किसी ई-कॉमर्स भागीदार को बिक्री से प्राप्त आय के भुगतान पर टीडीएस 1% से घटाकर 0.1% कर दिया जाएगा।
- **प्रत्यक्ष कर विवाद से विश्वास योजना, 2024**: कर संबंधी विवादों के निपटारे के लिए यह योजना शुरू की जाएगी। यह कर राशि पर विवादित ब्याज या जुर्माने के भुगतान में उदारता प्रदान करती है।
- **समानीकरण (इक्वेलाइजेशन) लेवी**: किसी अनिवासी ई-कॉमर्स ऑपरेटर द्वारा वस्तुओं या सेवाओं की आपूर्ति से प्राप्त आय पर 2% की इक्वेलाइजेशन लेवी 1 अगस्त, 2024 से लागू नहीं होगी।
- **सीमा शुल्क (कस्टम्स ड्यूटी) में बदलाव**: कई वस्तुओं के लिए सीमा शुल्क दरों में बदलाव किया गया है। इसे निम्नलिखित वस्तुओं के लिए कम किया गया है: (i) सोना और चांदी और (ii) मोबाइल फोन और उनके चार्जर/एडेप्टर। कपड़ा, इस्पात और पूंजीगत माल जैसे क्षेत्रों में उपयोग की जाने वाली कुछ वस्तुओं को सीमा शुल्क से छूट दी गई है। सोलर ग्लास (सोलर सेल या मॉड्यूल के निर्माण में प्रयुक्त) और कुछ रसायनों पर सीमा शुल्क बढ़ा दिया गया है।
- **एंजेल टैक्स**: इनकम टैक्स एक्ट में यह प्रावधान है कि गैर सूचीबद्ध कंपनियों पर उनके शेयरों के अंकित मूल्य से अधिक धन प्राप्त करने पर कर लगाया जाएगा। यह प्रावधान लागू नहीं होगा।
- **विदेशी संपत्ति का खुलासा**: ब्लैक मनी एक्ट, 2015 में विदेश में रखी गई संपत्ति की घोषणा न करने पर दंड का प्रावधान है। 20 लाख रुपए तक की चल संपत्ति पर यह लागू नहीं होगा।
- **बेनामी लेनदेन से छूट**: बेनामी संपत्ति लेनदेन निषेध एक्ट, 1988 बेनामीदार और लाभकारी मालिक को समान रूप से दोषी बनाता है। बेनामीदार को सरकारी गवाह बनने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु उन्हें बचाव (इम्नयुटी) देने का प्रावधान किया जा रहा है।

नीतियों की झलक

- **रोजगार**: रोजगार को बढ़ावा देने और श्रमबल की भागीदारी बढ़ाने के लिए तीन योजनाओं की घोषणा की गई। ये योजनाएं निम्नलिखित प्रदान करेंगी: (i) ईपीएफओ के साथ पहली बार पंजीकृत कर्मचारियों को 15,000 रुपए तक का वेतन सहयोग, (ii) मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में कर्मचारियों और नियोक्ताओं को उनके ईपीएफओ अंशदान के लिए प्रोत्साहन, और (iii) नियोक्ता के ईपीएफओ अंशदान के लिए प्रति नए कर्मचारी को दो साल तक प्रति माह 3,000 रुपए तक की प्रतिपूर्ति।
- **कौशल विकास**: पांच वर्षों में 20 लाख युवाओं को कौशल प्रदान करने की योजना शुरू की जाएगी। इसके तहत उद्योग जगत की कौशल संबंधी मांग को पूरा करने के लिए 1,000 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को उन्नत किया जाएगा। 500 शीर्ष कंपनियों में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करने की एक और योजना की घोषणा की गई है। इसके तहत लाभार्थियों को 5,000 रुपए का मासिक भत्ता और 6,000 रुपए की एकमुश्त सहायता प्रदान की जाएगी। कंपनियां प्रशिक्षण लागत और इंटर्नशिप लागत का 10% अपने सीएसआर फंड से वहन कर सकती हैं।
- **राज्यों को मदद**: बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओड़िशा और आंध्र प्रदेश में मानव संसाधन, इंफ्रास्ट्रक्चर और आर्थिक अवसरों को बढ़ाने के लिए योजना बनाई जाएगी। इस वर्ष आंध्र प्रदेश को नई राजधानी के लिए 15,000 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

- **एमएसएमई**: मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में एमएसएमई के लिए क्रेडिट गारंटी योजना की घोषणा की गई है। यह कोलेट्रल या गारंटी के बिना, मशीनरी और उपकरण खरीदने के लिए सावधि ऋण की सुविधा प्रदान करेगा। 100 करोड़ रुपए तक का गारंटी कवर प्रदान करने के लिए एक स्व-वित्तपोषण गारंटी कोष का गठन किया जाएगा। जिन उद्यमियों ने पहले ऋण लिया है और भुगतान किया है, उनके लिए मुद्रा ऋण की सीमा 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 20 लाख रुपए की जाएगी।
- **ऊर्जा**: उच्च कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन वाले उद्योगों के लिए एक रोडमैप तैयार किया जाएगा और उनके लिए उत्सर्जन लक्ष्य निर्धारित किए जाएंगे। परमाणु ऊर्जा में उभरती तकनीक की दिशा में निवेश निजी क्षेत्र के सहयोग से किया जाएगा।
- **कृषि**: उत्पादकता बढ़ाने और जलवायु अनुकूल फसलें विकसित करने पर ध्यान देने के साथ मौजूदा कृषि अनुसंधान सेटअप की समीक्षा की जाएगी। प्रमुख उपभोग केंद्रों के निकट सब्जी उत्पादन क्लस्टर स्थापित किए जाएंगे। सहकारी क्षेत्र के विकास के लिए एक राष्ट्रीय नीति का मसौदा तैयार किया जाएगा।
- **शहरी और ग्रामीण विकास**: 30 लाख से अधिक आबादी वाले 14 बड़े शहरों के लिए ट्रांजिट-ओरिएंटेड विकास योजना बनाई जाएगी। उच्च स्टांप शुल्क वसूलने वाले राज्यों को इसे कम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, और संपत्ति खरीदने वाली महिलाओं के लिए इसे और भी कम किया जाएगा। पीएम आवास योजना के तहत ग्रामीण और शहरी इलाकों में तीन करोड़ अतिरिक्त घर बनाए जाएंगे।

2023-24 के वास्तविक की तुलना में 2024-25 के बजट अनुमान

- **कुल व्यय**: 2024-25 में सरकार द्वारा 48,20,512 करोड़ रुपए खर्च करने का अनुमान है। इसमें 2023-24 के वास्तविक आंकड़ों से 8.5% की वृद्धि है।
- राजस्व व्यय 6.2% और पूंजीगत व्यय 17.1% बढ़ने का अनुमान है। पेंशन, रक्षा व्यय, सबसिडी और प्रमुख योजनाओं (मनरेगा, जल जीवन मिशन और पीएम-किसान) को मिलाकर राजस्व व्यय वृद्धि को लगभग 2023-24 के वास्तविक के समान ही आवंटित किया गया है।
- कुल प्राप्तियां (उधारियों को छोड़कर) 32,07,200 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो 2023-24 की वास्तविक आय से 15% अधिक है। इन प्राप्तियों और व्यय के बीच के अंतर को उधार से कम किया जाएगा, जिसका बजट 16,13,312 करोड़ रुपए होगा। यह 2023-24 के वास्तविक से 2.4% कम है।
- **राज्यों को हस्तांतरण**: केंद्र सरकार 2024-25 में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 23,48,980 करोड़ रुपए हस्तांतरित करेगी, जिसमें 2023-24 के वास्तविक की तुलना में 11.9% की वृद्धि है। राज्यों के हस्तांतरण में केंद्रीय करों के विभाज्य पूल में 12,47,211 करोड़ रुपए का हस्तांतरण और 11,01,769 करोड़ रुपए का अनुदान शामिल है।
- **घाटा**: 2024-25 में राजस्व घाटा जीडीपी के 1.8% पर लक्षित है, जो 2023-24 में जीडीपी के 2.6% के घाटे से कम है। 2024-25 में राजकोषीय घाटे का लक्ष्य जीडीपी का 4.9% है, जो 2023-24 के वास्तविक घाटे (जीडीपी का 5.6%) से कम है। निम्न राजकोषीय घाटा 15% की दर से बढ़ रही प्राप्तियों के कारण है, जो 8.5% की व्यय वृद्धि से अधिक है।
- **जीडीपी वृद्धि के अनुमान**: 2024-25 में नॉमिनल जीडीपी 10.5% की दर से बढ़ने का अनुमान है।

तालिका 2: बजट 2024-25 एक नजर में (करोड़ रुपए में)

	वास्तविक 2022-23	बजटीय 2023-24	वास्तविक 2023-24	बजटीय 2024-25	% परिवर्तन (2023-24 वास्तविक से 2024-25 बअ)
राजस्व व्यय	34,53,132	35,02,136	34,94,036	37,09,401	6.2%
पूंजीगत व्यय	7,40,025	10,00,961	9,48,506	11,11,111	17.1%
इसमें से:					
पूंजीगत परिव्यय	6,24,757	8,37,127	7,87,411	9,18,695	16.7%
ऋण और एडवांस	1,15,268	1,63,834	1,61,095	1,92,416	19.4%
कुल व्यय	**41,93,157**	**45,03,097**	**44,42,542**	**48,20,512**	**8.5%**
राजस्व प्राप्तियां	23,83,206	26,32,281	27,28,412	31,29,200	14.7%
पूंजीगत प्राप्तियां	72,196	84,000	60,461	78,000	29.0%
इसमें से:					
*ऋणों की रिकवरी**	*26,161*	*23,000*	*27,338*	*28,000*	*2.4%*
*अन्य प्राप्तियां (विनिवेश सहित)**	*46,035*	*61,000*	*33,123*	*50,000*	*51.0%*
कुल प्राप्तियां (उधारियों के बिना)	**24,55,402**	**27,16,281**	**27,88,872**	**32,07,200**	**15.0%**
राजस्व घाटा	10,69,926	8,69,855	7,65,624	5,80,201	-24.2%
जीडीपी का %	**3.9%**	**2.9%**	**2.6%**	**1.8%**	
राजकोषीय घाटा	17,37,755	17,86,816	16,53,670	16,13,312	-2.4%
जीडीपी का %	**6.4%**	**5.9%**	**5.6%**	**4.9%**	
प्राथमिक घाटा	8,09,238	7,06,845	5,89,799	4,50,372	-23.6%
जीडीपी का %	**3.0%**	**2.3%**	**2.0%**	**1.4%**	

नोट: *कंट्रोलर जनरल ऑफ एकाउंट्स से 2023-24 के लिए ऋण और विनिवेश की वास्तविक वसूली।
स्रोत: बजट एट ग्लांस, यूनियन बजट डॉक्यूमेंट्स 2024-25; पीआरएस।

वह व्यय जो सरकार की संपत्ति या देनदारियों में परिवर्तन लाता है (जैसे सड़कों का निर्माण या ऋणों का पुनर्भुगतान) पूंजीगत व्यय है, और अन्य सभी व्यय राजस्व व्यय हैं (जैसे वेतन का भुगतान या ब्याज भुगतान)। 2024-25 में **पूंजीगत व्यय** 2023-24 के वास्तविक व्यय से लगभग 17% बढ़ने की उम्मीद है। 2023-24 के वास्तविक व्यय की तुलना में **राजस्व व्यय** 6.2% बढ़ने की उम्मीद है।

सरकार द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) में अपनी हिस्सेदारी को बेचने को **विनिवेश** कहा जाता है। 2023-24 में सरकार को अपने विनिवेश लक्ष्य का 54.3% पूरा होने का अनुमान है। 2024-25 के लिए विनिवेश लक्ष्य 50,000 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो 2023-24 के वास्तविक लक्ष्य (33,123 करोड़ रुपए) से अधिक है। 2022-23 में सरकार ने अपने विनिवेश लक्ष्य का 71% हासिल किया, जो 2018-19 के बाद से सबसे अधिक है।

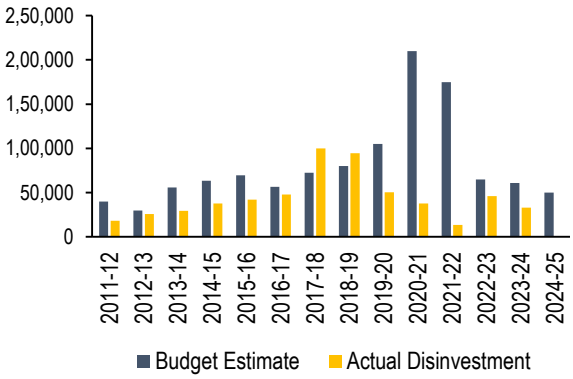

स्रोत: यूनियन बजट डॉक्यूमेंट्स (विभिन्न वर्ष); पीआरएस।

2024-25 के लिए प्राप्तियां

- 2024-25 में **प्राप्तियां** (उधारियों को छोड़कर) 32,07,200 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जिसमें 2023-24 के वास्तविक की तुलना में 15% की वृद्धि है। यह मुख्य रूप से केंद्र के शुद्ध कर संग्रह में 11% की वृद्धि के कारण है।
- 2024-25 में **सकल कर राजस्व** 2023-24 के वास्तविक की तुलना में 10.8% बढ़ने का अनुमान है। यह 2024-25 में 10.5% की अनुमानित नॉमिनल जीडीपी वृद्धि से थोड़ा अधिक है। कॉरपोरेशन टैक्स में 12% की वृद्धि का अनुमान है, जबकि आयकर में 13.6% की वृद्धि का अनुमान है। जीएसटी राजस्व में 11% की वृद्धि का बजट रखा गया है।
- केंद्र के कर राजस्व से **राज्यों को हस्तांतरण** 2024-25 में 12,47,211 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो 2023-24 के वास्तविक की तुलना में 10.4% की वृद्धि है। 2023-24 में, वास्तविक आंकड़ों के अनुसार, राज्यों को 1,08,046 करोड़ रुपए अधिक हस्तांतरण होने की उम्मीद है, जिसके लिए 10,21,448 करोड़ रुपए का बजट अनुमान लगाया गया था (इसमें 10.6% की वृद्धि है)।
- **शुद्ध कर राजस्व** (करों में राज्यों की हिस्सेदारी को छोड़कर) 2024-25 में 25,83,499 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो 2023-24 के वास्तविक से 11% अधिक है। 2023-24 में वास्तविक शुद्ध कर राजस्वस, वर्ष के बजट अनुमान के लगभग समान है।
- **गैर-कर राजस्व** में मुख्य रूप से केंद्र द्वारा दिए गए ऋणों पर ब्याज प्राप्तियां, लाभांश, लाइसेंस शुल्क, टोल और सरकारी सेवाओं के लिए शुल्क शामिल हैं। 2024-25 में यह 5,45,701 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जिसमें 2023-24 के वास्तविक की तुलना में 36% की वृद्धि है।
- 78,000 करोड़ रुपए की **पूंजीगत प्राप्तियों** (उधारियों को छोड़कर) का लक्ष्य है, जो 2023-24 के वास्तविक की तुलना में 29% अधिक है। उल्लेखनीय है कि पूंजीगत प्राप्तियों के लिए 2023-24 के वास्तविक बजटीय राशि से 28% कम हैं। विनिवेश लक्ष्य पूरा नहीं होने के कारण कम प्राप्तियां हुईं (46% कम)।

तालिका 3: 2024-25 में केंद्र सरकार की प्राप्तियों का ब्रेकअप (करोड़ रुपए में)

	वास्तविक 2022-23	बजटीय 2023-24	वास्तविक 2023-24	बजटीय 2024-25	% परिवर्तन (2023-24 वास्तविक से 2024-25 बअ)
क. सकल कर राजस्व	**30,54,192**	**33,60,858**	**34,64,792**	**38,40,170**	**10.8%**
इसमें से:					
कॉरपोरेशन टैक्स	8,25,834	9,22,675	9,11,055	10,20,000	12.0%
आय पर कर	8,33,260	9,00,575	10,44,726	11,87,000	13.6%
वस्तु एवं सेवा कर	8,49,133	9,56,600	9,57,032	10,61,899	11.0%
कस्टम्स	2,13,372	2,33,100	2,33,067	2,37,745	2.0%
केंद्रीय उत्पाद शुल्क	3,19,000	3,39,000	3,05,330	3,19,000	4.5%
ख. राज्यों को हस्तांतरण	**9,48,407**	**10,21,448**	**11,29,494**	**12,47,211**	**10.4%**
ग. केंद्र का शुद्ध कर राजस्व	**20,97,786**	**23,30,631**	**23,26,524**	**25,83,499**	**11.0%**
घ. गैर कर राजस्व	2,85,421	3,01,650	4,01,887	5,45,701	**35.8%**
इसमें से:					
ब्याज प्राप्तियां	27,852	24,820	38,297	38,224	-0.2%
लाभांश	99,913	91,000	1,70,444	2,89,134	69.6%
अन्य गैर कर राजस्व	1,53,577	1,81,382	1,92,134	2,14,389	11.6%
ङ. पूंजीगत प्राप्तियां (उधारियों के बिना)	72,196	84,000	60,461	78,000	**29.0%**
इसमें से:					
विनिवेश	46,035	61,000	33,123*	50,000	51.0%
प्राप्तियां (उधारियों के बिना) (ग+घ+ङ)	**24,55,403**	**27,16,281**	**27,88,872**	**32,07,200**	15.0%
उधारियां	17,37,755	17,86,816	16,53,670	16,13,312	-2.4%
कुल प्राप्तियां (उधारियों के साथ)	**41,93,158**	**45,03,097**	**44,42,542**	**48,20,512**	**8.5%**

नोट: *कंट्रोलर जनरल ऑफ एकाउंट्स से 2023-24 वास्तविक से विनिवेश। स्रोत: रेसीट बजट, यूनियन बजट डॉक्यूमेंट्स 2024-25; पीआरएस।

- **अप्रत्यक्ष कर**: 2024-25 में कुल अप्रत्यक्ष कर संग्रह 16,18,744 करोड़ रुपए होने का अनुमान है। इसमें से सरकार ने जीएसटी से 11% की बढ़ोतरी के साथ 10,61,899 करोड़ रुपए जुटाने का अनुमान लगाया है। जीएसटी के तहत कुल कर संग्रह में से 86% सीजीएसटी (9,10,890 करोड़ रुपए) से और 14% जीएसटी क्षतिपूर्ति सेस (1,51,009 करोड़ रुपए) से आने की उम्मीद है।
- **कॉरपोरेशन टैक्स**: 2024-25 में कंपनियों पर करों से संग्रह 12% बढ़ने की उम्मीद है।
- **आयकर**: 2024-25 में आयकर से संग्रह बढ़कर 11,87,000 करोड़ रुपए होने की उम्मीद है, जिसमें 2023-24 के वास्तविक की तुलना में 13.6% की वृद्धि है। 2023-24 के वास्तविक, 2022-23 के वास्तविक से 25% अधिक हैं।
- **गैर-कर प्राप्तियां**: 2024-25 में गैर-कर राजस्व 2023-24 के वास्तविक राजस्व से 36% बढ़ने की उम्मीद है। यह मुख्य रूप से आरबीआई, राष्ट्रीयकृत बैंकों और वित्तीय संस्थानों के उच्च लाभांश/अधिशेष के कारण है।

2024-25 के लिए व्यय

2023-24 के लिए कुछ व्यय मदों के लिए अलेखापरीक्षित वास्तविक उपलब्ध नहीं हैं और तुलना के लिए संशोधित अनुमान का उपयोग किया गया है।

- 2024-25 में **कुल व्यय** 48,20,512 करोड़ रुपए होने की उम्मीद है, जिसमें 2023-24 के संशोधित अनुमान से 8.5% की वृद्धि है। इसमें से: (i) केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं पर 15,16,176 करोड़ रुपए खर्च करने का प्रस्ताव है (2023-24 के संशोधित अनुमान से 4.8% अधिक), और (ii) केंद्र प्रायोजित योजनाओं पर 5,05,978 करोड़ रुपए खर्च करने का प्रस्ताव है (2023-24 के संशोधित अनुमान से 9.8% अधिक)।
- ब्याज व्यय 2023-24 के वास्तविक से 9.3% अधिक होने का अनुमान है। यह सरकार के कुल खर्च का 24% होने का अनुमान है। पूंजीगत परिसंपत्ति निर्माण के लिए राज्यों को अनुदान 3,90,778 करोड़ रुपए है, जो 2023-24 के संशोधित अनुमान से 28.6% अधिक है। इन मदों में से राजस्व व्यय में 1.4% की वृद्धि तय है।
- पेंशन पर 2,43,296 करोड़ रुपए के खर्च का अनुमान है, जो 2023-24 के संशोधित अनुमान से 2.2% अधिक है। अन्य अनुदान, ऋण और हस्तांतरण (3,91,776 करोड़ रुपए) में पूंजीगत व्यय के लिए राज्य को विशेष ऋण के रूप में 1,50,000 करोड़ रुपए शामिल हैं। यह 2023-24 के संशोधित अनुमान (1,05,551 करोड़ रुपए) की तुलना में 42% अधिक है।

तालिका 4: 2024-25 में केंद्र सरकार के व्यय का ब्रेकअप (करोड़ रुपए में)

	वास्तविक 2022-23	बजटीय 2023-24	वास्तविक 2023-24	बजटीय 2024-25	% परिवर्तन (2023-24 वास्तविक से 2024-25 बअ)
केंद्रीय व्यय	**32,65,163**	**35,13,761**	**35,57,231**	**37,90,380**	**6.6%**
केंद्र का इस्टैबलिशमेंट व्यय	7,14,650	7,44,339	7,81,774	7,83,618	0.2%
केंद्रीय क्षेत्र की योजनाएं	14,45,923	14,67,880	14,46,152	15,16,176	4.8%
अन्य व्यय	11,04,590	13,01,542	13,29,304	14,90,586	12.1%
इनमें ब्याज भुगतान	*9,28,517*	*10,79,971*	*10,55,427*	*11,62,940*	*10.2%*
सीएसएस के लिए अनुदान और अन्य हस्तांतरण	**9,27,995**	**9,89,336**	**9,33,255**	**10,30,132**	**10.4%**
केंद्र द्वारा प्रायोजित योजनाएं (सीएसएस)	4,37,556	4,76,105	4,60,614	5,05,978	9.8%
वित्त आयोग के अनुदान	1,72,760	1,65,480	1,40,429	1,32,378	-5.7%
इसमें से:					
ग्रामीण स्थानीय निकाय	*45,578*	*47,018*	*40,778*	*49,800*	*22.1%*
शहरी स्थानीय निकाय	*17,779*	*24,222*	*19,222*	*25,653*	*33.5%*
आपदा प्रबंधन अनुदान	*19,893*	*24,466*	*24,466*	*25,688*	*5.0%*
हस्तांतरण उपरांत राजस्व घाटा अनुदान	*86,201*	*51,673*	*51,673*	*24,483*	*-52.6%*
अन्य अनुदान, ऋण और हस्तांतरण	3,17,679	3,47,752	3,32,211	3,91,776	17.9%
जिनमें से राज्यों को पूंजीगत व्यय के लिए ऋण के रूप में दी गई विशेष सहायता	*81,195*	*1.30,000*	*1,05,551*	*1,50,000*	*42.1%*
कुल व्यय	**41,93,157**	**45,03,097**	**44,42,542**	**48,20,512**	**8.5%**

स्रोत: बजट एट ग्लांस, यूनियन बजट डॉक्यूमेंट्स 2024-25; पीआरएस।

मंत्रालयों के व्यय

2024-25 में आवंटन के मामले में शीर्ष 13 मंत्रालयों को अनुमानित कुल व्यय का 54% हिस्सा मिला है (तालिका 5)। इनमें रक्षा मंत्रालय को 2024-25 में सबसे अधिक 6,21,941 करोड़ रुपए का आवंटन है। यह केंद्र सरकार के कुल बजट व्यय का 13% है। उच्च आवंटन वाले अन्य मंत्रालयों में शामिल हैं: (i) सड़क परिवहन एवं राजमार्ग (कुल व्यय का 5.8%), (ii) रेलवे (5.3%), और (iii) उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण (4.6%)।

तालिका 5: 2024-25 में मंत्रालय पर व्यय (करोड़ रुपए में)

	वास्तविक 2022-23	बजटीय 2023-24	वास्तविक 2023-24	बजटीय 2024-25	% परिवर्तन (2023-24 वास्तविक से 2024-25 बअ)
रक्षा	5,73,098	5,93,538	6,09,799	6,21,941	2.0%
सड़क परिवहन एवं राजमार्ग	2,17,089	2,70,435	2,75,715	2,78,000	0.8%
रेलवे	1,62,410	2,41,268	2,45,794	2,55,393	3.9%
उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण	2,83,954	2,05,765	2,32,498	2,23,323	-3.9%
गृह मंत्रालय	1,86,839	1,96,035	1,96,886	2,19,643	11.6%
ग्रामीण विकास	1,77,840	1,59,964	1,63,643	1,80,233	10.1%
रसायन और उर्वरक	2,53,563	1,78,482	1,91,165	1,68,500	-11.9%
संचार	1,40,976	1,23,393	1,11,327	1,37,294	23.3%
कृषि एवं किसान कल्याण	1,08,277	1,25,036	1,18,147	1,32,470	12.1%
शिक्षा	97,196	1,12,899	1,23,364	1,20,628	-2.2%
जल शक्ति	71,618	97,278	95,365	98,714	3.5%
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	75,731	89,155	83,149	90,959	9.4%
आवास एवं शहरी मामले	77,310	76,432	68,565	82,577	20.4%
अन्य मंत्रालय	17,67,256	20,33,419	19,27,124	22,10,838	14.7%
कुल व्यय	**41,93,157**	**45,03,097**	**44,42,542**	**48,20,512**	**8.5%**

स्रोत: एक्सपेंडिचर बजट, यूनियन बजट डॉक्यूमेंट्स 2024-25, कंट्रोलर जनरल ऑफ एकाउंट्स; पीआरएस।

- **आर्थिक मामलों का विभाग (वित्त मंत्रालय)**: व्यय की एक नई मद 'नई योजनाओं' के लिए 62,593 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं (विवरण उपलब्ध नहीं है)। यह विभाग के कुल आवंटन का 78% है। पूरा आवंटन पूंजीगत व्यय के लिए है।
- **संचार मंत्रालय**: 2023-24 में वास्तविक व्यय की तुलना में 2024-25 में आवंटन 25,967 करोड़ रुपए (23.3%) बढ़ने का अनुमान है। यह मुख्य रूप से बीएसएनएल में पूंजी निवेश के कारण है, जो 2024-25 में 82,916 करोड़ रुपए होने का अनुमान है। यह पूंजी निवेश 2023-24 के संशोधित अनुमान से 28% अधिक होने का अनुमान है।
- **आवास और शहरी मामलों का मंत्रालय**: मंत्रालय को आवंटन 2023-24 में वास्तविक व्यय की तुलना में 2024-25 में 20.4% (14,012 करोड़ रुपए) बढ़ने का अनुमान है। यह काफी हद तक पीएमएवाई-शहरी के लिए आवंटन में वृद्धि के कारण है। इस योजना पर 2024-25 में 30,171 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है, जो 2023-24 के संशोधित अनुमान से 36.5% अधिक है।

सबसिडी पर व्यय

2024-25 में सबसिडी पर कुल खर्च 4,38,423 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो 2023-24 के वास्तविक खर्च से 0.5% कम है (तालिका 6)।

- **खाद्य सबसिडी**: 2024-25 में खाद्य सबसिडी के लिए आवंटन 2,05,250 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो 2023-24 में वास्तविक व्यय से 3.1% कम है। 2021-22 और 2022-23 में उच्च स्तर की खाद्य सबसिडी का बजट रखा गया था। यह मुख्य रूप से पीएमजीकेएवाई के कारण था, जो कोविड के प्रभाव को कम करने के लिए पात्र लाभार्थियों को मुफ्त अतिरिक्त खाद्यान्न प्रदान करता है। यह अतिरिक्त लाभ दिसंबर 2022 में समाप्त हो गया।
- **उर्वरक सबसिडी**: 2024-25 में उर्वरक सबसिडी पर खर्च 1,64,000 करोड़ रुपए होने का अनुमान है। यह 2023-24 में वास्तविक व्यय से 25,488 करोड़ रुपए (13.5%) कम है। उर्वरकों के निर्माण में उपयोग होने वाले कच्चे माल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में तेज वृद्धि के कारण 2022-23 में उर्वरक सबसिडी में काफी वृद्धि की गई।
- सरकार एलपीजी और विभिन्न योजनाओं के लिए सबसिडी भी प्रदान करती है। 2024-25 में उपभोक्ता मामले के विभाग के तहत मूल्य स्थिरीकरण कोष के लिए 10,000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। इस फंड का उपयोग दालों, प्याज और आलू के बफर स्टॉक को बरकरार रखने के लिए किया जाता है।

तालिका 6: 2024-25 में सबसिडी (करोड़ रुपए में)

	वास्तविक 2022-23	बजटीय 2023-24	वास्तविक 2023-24	बजटीय 2024-25	% परिवर्तन (2023-24 वास्तविक से 2024-25 बअ)
खाद्य	2,72,802	1,97,350	2,11,814	2,05,250	-3.1%
उर्वरक	2,51,339	1,75,100	1,89,487	1,64,000	-13.5%
ब्याज*	41,676	27,565	23,980	29,550	23.2%
एलपीजी सबसिडी	6,817	2,257	12,240	11,925	-2.6%
अन्य*	5,281	812	3,090	17,698	472.6%
जिसमें से मूल्य स्थिरीकरण निधि को आवंटन	*0*	*0*	*0*	*10,000*	
कुल	**5,77,916**	**4,03,084**	**4,40,612**	**4,38,423**	**-0.5%**

नोट: *वास्तविक आंकड़े 2023-24 के लिए संशोधित अनुमान हैं।

स्रोत: एक्सपेंडिचर प्रोफाइल, यूनियन बजट 2024-25; पीआरएस।

मुख्य योजनाओं पर व्यय

तालिका 7: 2024-25 में विभिन्न योजनाओं के लिए आवंटन (करोड़ रुपए में)

	वास्तविक 2022-23	बजटीय 2023-24	वास्तविक 2023-24	बजटीय 2024-25	% परिवर्तन (2023-24 वास्तविक से 2024-25 बअ)
मनरेगा	90,806	60,000	86,000	86,000	0%
प्रधानमंत्री आवास योजना	73,615	79,590	54,103	84,671	56.5%
जल जीवन मिशन/राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल मिशन	54,700	70,000	70,000	70,163	0.2%
पीएम-किसान	58,254	60,000	60,000	60,000	0%
समग्र शिक्षा	32,515	37,453	33,000	37,500	13.6%
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन	31,279	29,085	31,551	36,000	14.1%
संशोधित ब्याज सहायता योजना	17,998	23,000	18,500	22,600	22.2%
सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0	19,876	20,554	21,523	21,200	-1.5%
प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना	18,783	19,000	17,000	19,000	11.8%
राष्ट्रीय आजीविका मिशन-आजीविका	11,536	14,129	14,129	15,047	6.5%
प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना	10,296	13,625	15,000	14,600	-2.7%
सुधार से जुड़ी वितरण योजना	2,738	12,072	10,400	12,585	21.0%
प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण (पीएम पोषण)	12,681	11,600	10,000	12,467	24.7%
स्वच्छ भारत मिशन	6,851	12,192	9,550	12,192	27.7%
प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना	6,380	10,787	8,781	11,840	34.8%

स्रोत: एक्सपेंडिचर प्रोफाइल, यूनियन बजट डॉक्यूमेंट्स 2024-25; पीआरएस।

- 2024-25 में मनरेगा का आवंटन सबसे अधिक है, जोकि 86,000 करोड़ रुपए है। यह राशि 2023-24 के संशोधित अनुमान के समान है। 2023-24 में योजना पर आवंटन बजट अनुमान से 43% बढ़ने का अनुमान है।
- प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए 2024-25 में 84,671 करोड़ रुपए का दूसरा सबसे अधिक आवंटन है, जो 2023-24 के संशोधित अनुमान से 56.5% अधिक है। 2023-24 में इस योजना पर बजट अनुमान की तुलना में 32% कम खर्च होने की उम्मीद है। इसका मुख्य कारण मूल योजनाओं में ग्रामीण घटक का कम होना था। योजना के शहरी घटक के लिए अधिक आवंटन के कारण 2024-25 का आवंटन 2023-24 के बजट अनुमान की तुलना में 5,038 करोड़ रुपए (6.4%) अधिक है।
- जल जीवन मिशन के लिए 2024-25 में 70,163 करोड़ रुपए का तीसरा सबसे अधिक आवंटन है, जो 2023-24 के संशोधित अनुमान से 0.2% अधिक है। 2024-25 में पीएम किसान को 60,000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जो 2023-24 के संशोधित अनुमान के समान है।
- 2023-24 के संशोधित अनुमान की तुलना में कई योजनाओं के लिए 2024-25 में अधिक आवंटन किया गया। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं: (i) संशोधित ब्याज सहायता योजना (22.2%), (ii) सुधार से जुड़ी वितरण योजना (21%), और (iii) पीएम-पोषण (24.7%)। उल्लेखनीय है कि 2024-25 में संशोधित ब्याज सहायता योजना के लिए आवंटन (22,600 करोड़ रुपए) 2023-24 के बजट अनुमान (23,000 करोड़ रुपए) से 400 करोड़ रुपए कम है।

पूंजीगत व्यय के लिए राज्यों को ऋण

- केंद्र ने 2024-25 में पूंजीगत व्यय के लिए राज्यों को विशेष ब्याज मुक्त ऋण हेतु 1,50,000 करोड़ रुपए का बजट रखा है। यह 2023-24 के बजट अनुमान (1,30,000 करोड़ रुपए) से 15.4% अधिक है। 2023-24 में, संशोधित अनुमान के अनुसार, इस मद पर व्यय वर्ष के बजट अनुमान की तुलना में 18.8% कम होकर 1,05,551 करोड़ रुपए हो गया है।

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति उप योजनाओं और महिलाओं, बच्चों और पूर्वोत्तर क्षेत्र की योजनाओं पर व्यय

- महिला और बाल कल्याण कार्यक्रमों के लिए 2024-25 में 4,37,079 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जो 2023-24 के संशोधित अनुमान से 18.5% अधिक है। इन आवंटनों में सभी मंत्रालयों में कार्यान्वित कार्यक्रम शामिल हैं।
- प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए अधिक आवंटन के कारण महिला कल्याण संबंधी आवंटन बढ़ने की उम्मीद है। आवास योजना के तहत परिवार की महिला मुखिया को घर की मालिक या सह-मालिक होना चाहिए।

तालिका 8: महिलाओं, बच्चों, एससीज़, एसटीज़ और पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए आवंटन (करोड़ रुपए में)

	वास्तविक 2022-23	संशोधित 2023-24	बजटीय 2024-25	% परिवर्तन (2023-24 संअ से 2024-25 बअ)
महिला कल्याण	2,31,333	2,75,095	3,27,158	18.9%
बाल कल्याण	86,883	93,659	1,09,921	17.4%
अनुसूचित जाति	1,33,008	1,46,861	1,65,493	12.7%
अनुसूचित जनजाति	92,176	1,09,242	1,24,909	14.3%
पूर्वोत्तर क्षेत्र	-	91,785	1,00,893	9.9%

नोट: 2022-23 के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र पर वास्तविक व्यय उपलब्ध नहीं है।
स्रोत: एक्सपेंडिचर प्रोफाइल, यूनियन बजट डॉक्यूमेंट्स 2024-25; पीआरएस।

- स्कूली शिक्षा के लिए अधिक आवंटन के कारण बाल कल्याण हेतु आवंटन बढ़ने की उम्मीद है।

राजकोषीय दायित्व एवं बजट प्रबंधन के लक्ष्य

राजकोषीय दायित्व और बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) एक्ट, 2003 के अंतर्गत यह अपेक्षा की जाती है कि केंद्र सरकार बकाया ऋण, राजस्व घाटे और राजकोषीय घाटे को धीरे-धीरे कम करेगी। एक्ट सरकार को तीन वर्ष का आवर्ती लक्ष्य देता है। उल्लेखनीय है कि मध्यम अवधि के राजकोषीय नीति वक्तव्य में 2021-22 के बाद से बजट घाटे के लिए रोलिंग लक्ष्य प्रदान नहीं किए गए हैं। बजट भाषण में वित्त मंत्री ने 2025-26 तक राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 4.5% से कम करने के लक्ष्य को दोहराया।

राजकोषीय घाटा उन उधारियों का संकेत देता है जिनसे सरकार अपने व्यय को वित्त पोषित करती है। 2024-25 के लिए अनुमानित राजकोषीय घाटा जीडीपी के 4.9% पर लक्षित है।

तालिका 9: घाटों के लिए एफआरबीएम के लक्ष्य (जीडीपी का %)

	वास्तविक 2022-23	वास्तविक 2023-24	बजटीय 2024-25
राजकोषीय घाटा	6.4%	5.6%	4.9%
राजस्व घाटा	3.9%	2.6%	1.8%
प्राथमिक घाटा	3.0%	2.0%	1.4%

स्रोत: मीडियम टर्म फिस्कल पॉलिसी स्टेटमेंट, यूनियन बजट 2024-25; पीआरएस।

राजस्व घाटा सरकार की राजस्व प्राप्तियों और व्यय के बीच का अंतर होता है। इसका यह अर्थ होता है कि सरकार को अपना व्यय पूरा करने के लिए उधार लेने की जरूरत है जिनसे भविष्य में प्राप्तियां नहीं हो सकतीं। 2024-25 के लिए अनुमानित राजस्व घाटा जीडीपी का 1.8% है। यह 2023-24 के वास्तविक (2.6%) से कम है। 2024-25 में राजस्व प्राप्तियों में 14.7% की वृद्धि दर्ज होने का अनुमान है जो राजस्व व्यय में 6.2% की वृद्धि से अधिक है।

प्राथमिक घाटा राजकोषीय घाटे और ब्याज भुगतानों के बीच का अंतर होता है। 2024-25 में यह जीडीपी का 1.4% अनुमानित है।

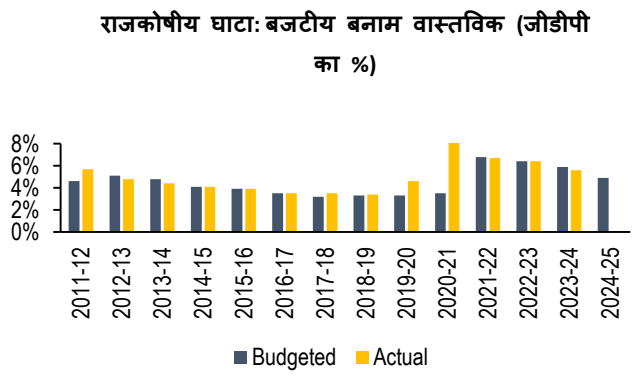

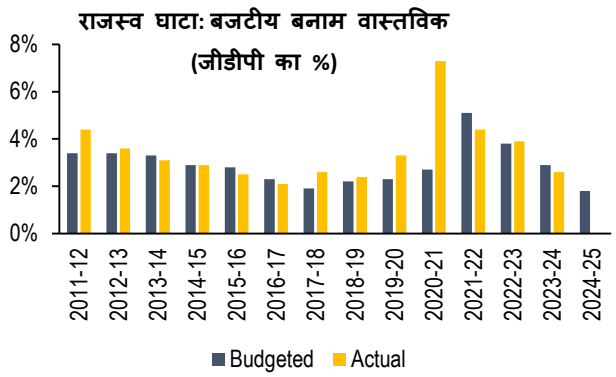

स्रोत: बजट एट ग्लांस, यूनियन बजट (विभिन्न वर्ष); पीआरएस।

- **बकाया ऋण** कई वर्षों की उधारियों का संग्रह होता है। अधिक ऋण का अर्थ यह होता है कि सरकार पर आने वाले वर्षों में ऋण चुकाने का अधिक बड़ा दायित्व है।
- 2024-25 में केंद्र की बकाया देनदारियां जीडीपी का 56.8% होने का अनुमान है। बकाया देनदारियां 2012-13 में 51% से घटकर 2018-19 में 48.1% हो गईं। 2019-20 के बाद से, बकाया देनदारियां बढ़ रही हैं, और 2020-21 में यह 61% के उच्च स्तर पर पहुंच गईं। इसके बाद इसमें कमी आई है। केंद्र द्वारा दी गई गारंटी 2022-23 के अंत में जीडीपी का 1.2% है।
- राजस्व प्राप्तियों के प्रतिशत के रूप में ब्याज भुगतान 2013-14 में 37% से बढ़कर 2020-21 में 42% हो गया। 2024-25 में यह राजस्व प्राप्तियों का 37% होने का अनुमान है।

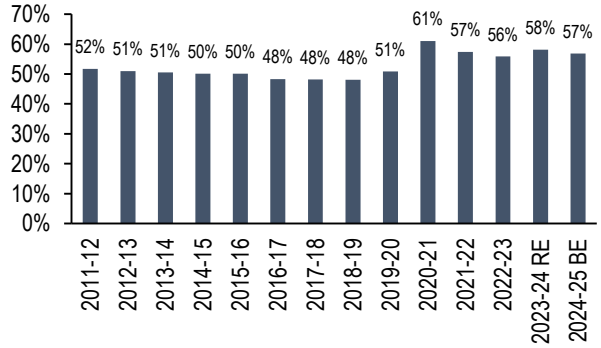

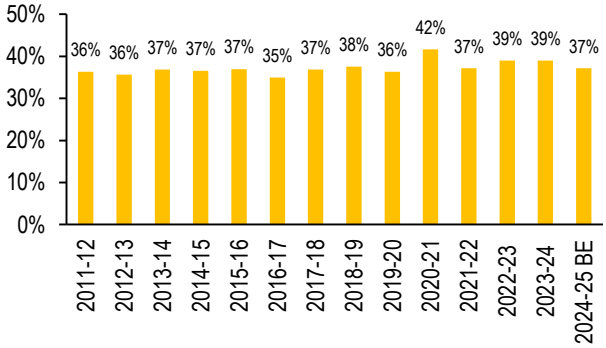

नोट: RE संशोधित अनुमान और BE बजट अनुमान हैं।
स्रोत: यूनियन बजट डॉक्यूमेंट्, 2024-25, भारतीय अर्थव्यवस्था पर आरबीआई डेटाबेस; पीआरएस।

अस्वीकरणः प्रस्तुत रिपोर्ट आपके समक्ष सूचना प्रदान करने के लिए प्रस्तुत की गई है। पीआरएस लेजिसलेटिव रिसर्च (पीआरएस) के नाम उल्लेख के साथ इस रिपोर्ट का पूर्ण रूपेण या आंशिक रूप से गैर व्यावसायिक उद्देश्य के लिए पुनःप्रयोग या पुनर्वितरण किया जा सकता है। रिपोर्ट में प्रस्तुत विचार के लिए अंततः लेखक या लेखिका उत्तरदायी हैं। यद्यपि पीआरएस विश्वसनीय और व्यापक सूचना का प्रयोग करने का हर संभव प्रयास करता है किंतु पीआरएस दावा नहीं करता कि प्रस्तुत रिपोर्ट की सामग्री सही या पूर्ण है। पीआरएस एक स्वतंत्र, अलाभकारी समूह है। रिपोर्ट को इसे प्राप्त करने वाले व्यक्तियों के उद्देश्यों अथवा विचारों से निरपेक्ष होकर तैयार किया गया है। यह सारांश मूल रूप से अंग्रेजी में तैयार किया गया था। हिंदी रूपांतरण में किसी भी प्रकार की अस्पष्टता की स्थिति में अंग्रेजी के मूल सारांश से इसकी पुष्टि की जा सकती है।